जायद बह नं० 32

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह खाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्टी व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
	R.No. 116
अस्टाम मालीयती —— किताब 3 603	मु-4 R.F. = 50.00 C.F. = 3.00 Total — 53.00

Sub Registrar
Distt. Bilaspur

New Art Press JUC. 2074 Reg.

Government Judicial Paper

...जुज 1

...ती उमर तखमीनन 70 साल बेवा मंगाराम वल्द
... नीलां परगना कोट कैहलूर उपतैहसील श्री
... ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश की है,
...हरा ज़ईफ व लागर व बेवा औरत जात है,
...र्सों से मामूली बिमार भी होती रहती चली
... लिये हर हाल में दीगरान की खिदमत व
...ी मोहताज है, मुज़हरा के कोई औलाद
... है महज़ 3 दुख्तरान मु अमरो, मु लच्छमी
...ई ही पैदा हुई थीं जिनकी शादीयां भी
...द ने हयात खुद में ही माकूल दहेज देकर
..., मु अमरो व मु लच्छमी मज़कूरीयान
...बी से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं
... साऊरादेई मज़कूरीया जो ज़यादा तर बरवाना
... रहती थी फौत हो चुकी है, मुज़हरा की
...त में जोगिन्द्र वल्द सीताराम वल्द जोधा सकना
...ना कोट कहलूर उपतैहसील श्री नैनादेवी
... बिलासपुर हिमाचल प्रदेश दोहता मुज़हरा
...र मु साऊरादेई मुतवफ़ीया दुख्तर मुज़हरा
... बचपन से मुज़हरा ने ही पाल पोषकर
...ना हुआ है
...नामा जुज 2

...ह से मुज़हरा की देख भाल व खिदमत व परवरिश
... इलाज मुआलजा करवाता चला आता है मुज़हरा
... जोगिन्द्र मज़कूर से बहुत खुश है मुज़हरा को
... भी उस से ऐसी ही खिदमात मुज़हरा करते रहने
...का है हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा नहीं है
...ये मुज़हरा चाहती है के जोगिन्द्र मज़कूर को
... सिल्ला खिदमात खुद दे, मुज़हरा कुछ जायदाद
... व गैर मनकूला वाक्या नीलां परगना कोट
...की मालका व काबज़ा है सो मुज़हरा जायदाद
... खुद जोगिन्द्र मज़कूर को ही देना चाहती है
...ा मुज़हरा की जायदाद मामूली मालीयत की है लेकिन
अगलब है के बाद वफ़ात मुज़हरा जायदाद मुज़हरा की
निस्बत कोई शख्स तनाज़ा किसी किसम करे इस
लिये अब मुज़हरा ब...यमी होश व हवास खमसा ...

1 (नकल)
9
8 **Himachal Government Judicial Paper**
0363925
8 वसीयत नामा ज़ुज़ 1

मनके मु० रत्नी उमर तख़मीनन 70 साल बेवा गंगाराम वल्द सुन्दर सकना नीलां परगना कोट केहलूर उपतेहसील श्री नैनादेवी जी ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश की है, जो के मुज़हरा ज़ईफ़ व लाग़र व बेवा औरत ज़ात है, और कुछ अर्सा से मामूली बिमार भी होती रहती चली आती है इस लिये हर हाल में दीगरान की ख़िदमत व परवरिश की मोहताज है, मुज़हरा के कोई औलाद नरीना ना है मेहज़ 3 दुख़्तरान मु० अमरो, मु० लच्छमी मु० साऊरादेई ही पैदा हुई थीं जिनकी शादीयां भी उन के वालद ने हयात ख़ुद में ही माकूल दहेज दे कर कर दी थीं, मु० अमरो व मु० लच्छमी मज़कूरीयान ख़ुशअसलूबी से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं जब के मु० साऊरादेई मज़कूरीया जो ज़्यादा तर बरख़ाना मुज़हरा ही रहती थी फ़ौत हो चुकी है, मुज़हरा की ऐसी हालत में जोगिन्द्र वल्द सीताराम वल्द जोधा सकना नीलां परगना कोट केहलूर उपतेहसील श्री नैनादेवी जी ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश दोहता मुज़हरा यानी पिसर मु० साऊरादेई मुतवफ़ीया दुख़्तर मुज़हरा जिस को बचपन से मुज़हरा ने ही पाल पोष कर बड़ा किया हुआ है

अलामत मु० रत्नी, मौसी मुज़हरीया

वसीयत नामा ज़ुज़ 2

ही हर तरह से मुज़हरा की देख भाल व ख़िदमत व परवरिश करता व इलाज मुआलजा करवाता चला आता है मुज़हरा ख़िदमात जोगिन्द्र मज़कूर से बहुत ख़ुश है मुज़हरा को आयन्दा भी उस से ऐसी ही ख़िदमात मुज़हरा करते रहने की तवक्क़ा है हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा नाहै इस लिये मुज़हरा चाहती है के जोगिन्द्र मज़कूर को कुछ सिल्ला ख़िदमात ख़ुद दे, मुज़हरा कुछ जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला वाक्या नीलां परगना कोट केहलूर की मालका व काबज़ा है सो मुज़हरा जायदाद मज़कूरा ख़ुद जोगिन्द्र मज़कूर को ही देना चाहती है गो मुज़हरा की जायदाद मामूली मालीयत की है लेकिन अग़लब है के बाद वफ़ात मुज़हरा जायदाद मुज़हरा की निस्बत कोई शख़्स तनाज़ा किसी किस्म करे इस लिये अब मुज़हरा [illegible]मी होश व हवास ख़मसा र

अलामत मु० रत्नी, मौसी मुज़हरीया

२०-६-९०

शु-५

बस्ताम जालोयती ... शु-५ ... रुपये
किताब ... 3 ... पन्ना
नं॰ ... ६०३ ...

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
२०/६/९०

वसीका वसीयत बाबत हुआ रतनी बेवा गंगा राम
कस्बा नीला परगना ... तहसील सदर
जिला बिलासपुर ... ने आज दिनांक २०-६-९०
मुताबिक ३० ज्येष्ठ १९१२ रोज बुधवार
समय ५.०० बजे दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार
सदर में वास्ते रजिस्ट्रेशन पेश किया।

पेश कर्ता

R.T.I.
रतनी

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
२०/६/९०

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान
मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
२०/६/९०

0363926 1988 **Himachal Government Judicial Paper**

बिला जबर व इकराह व तरग़ीब ग़ैरे किसी किस्म जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म खुद की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करती व लिख देती हूँ के जब तक मुज़हरा हयात है जुमला जायेदाद हर किस्म खुद की मालका व काबज़ा है बाद वफ़ात मुज़हरा जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़हरा वाक्या नीलां परगना कोट केहलूर

वसीयत नामा जुज़ 3

उपतेहसील श्री नैनादेवी जी ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश या दीगर जहां कहीं भी वाक्या हो का जोगिन्द्र मज़कूर वाहद मालक व काबज़ तसव्वर हो गा - किसी भी दीगर शख़्स का कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म किसी जायेदाद मुज़हरा मौसी से ना हो गा और हर दीगर वारस मुज़हरा मौसी जायेदाद हर किस्म मुज़हरा मौसी से मेहरूम तसव्वर हो गा, जोगिन्द्र मौसीइलहा मज़कूर ही वाहद कामल मालक व काबज़ जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला मुज़हरा का हो गा, किसी भी दीगर शख़्स को मुज़हरा के वसीयत नामा हज़ा को तबदील या तनसीख़ कराने का कोई हक हासल ना हो गा, मुज़हरा ने पहले कोई वसीयत तैहरीर ना कराई है इस लिये पहले की हर दस्तावेज़ वसीयत नामा मिन्जानिब मुज़हरा मौसी जाली व फ़र्ज़ी होने से रद्द तसव्वर हो गी और वसीयत नामा हज़ा पर पूरा पूरा अमल हो गा लेहज़ा वसीयत नामा हज़ा लिख दिया के सनद रहे / तैहरीर 20/6/90

गवाहशुद

गुरमेल वल्द ऊंकार वल्द मुनशी सकना नीलां परगना कोट केहलूर उपतैहसील श्री नैनादेवी जी ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश

गुरमैल

अलबद

मु० रतनी, मौसी मज़कूरीया

गवाहशुद

लच्छमणाराम वल्द हीरा वल्द चन्दू सकना मोड़ीपाल तैहसील आनन्दपुर ज़िला रोपड़ पंजाब प्रदेश नम्बरदार

लछमनराम

हस्ब मुराद सायला लिखा गया सुन समझ कर दरूसत तसलीम किया / लेखक हरबंस सिंह अराइज़ व वसीयका नवीस बिलासपुर (687 20/6/90) मोहर

(नोट) वसीयत नामा हज़ा 613 अलफ़ाज़ पर मुशतमल है

तसदीक

नकल मुताबिक असल है कोई लफ़्ज़ कटा फटा मशकूक या कम व बेश ना है नकल कुनिंदा हरबंस सिंह अराइज़ व वसीयका नवीस बिलासपुर शामिल 687 20/6/90

20-6-90

वसीका वसीयत बाबा हुआ श्री मोती राम हरफ ब हरफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने इस वसीका को तमाम तहरीर व तकमील को सुन व समझकर दुरुस्त तसलीम किया। इसकी शनाख्त श्री खुशी राम प्रधान ग्राम पंचायत घरोट करते हैं। जिनसे मैं स्वयं परिचित हूं। लिहाजा वसीका हजा तस्दीक किया जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

पेश कर्ता · शनाख्त कर्ता

R-T-I. मोती राम

खुशी राम

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
20/6/90

प्रधान
ग्राम पंचायत घरोट
तह॰ व डा॰ श्री नैना देवी जी,
जिला बिलासपुर (हि॰प्र॰)

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
20/6/90

Registered at No. 116 in Book 3
Volume No. 91 on page/pages 45 Tha 20
the 6 1990
537

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
20/6/90